S-761 Roll No. …………………..

MAHL–202

नाटक एवं कथेतर साहित्य

M. A. Hindi (MAHL-12/16/17)

Second Year, Examination, 2018

Time : Three Hours **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. स्मारक साहित्य का अर्थ बताते हुए संस्मरण एवं रेखाचित्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
2. स्मारक साहित्य की विशेषताएँ बताते हुए इसकी प्रमुख विधाओं पर प्रकाश डालिए।
3. आचार्य रामचन्द्र का जीवन तथा साहित्यिक परिचय विस्तार से लिखिये।

4. निबन्ध का तात्त्विक विवेचन करते हुए निबन्ध के महत्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'अपनी खबर' का प्रतिपाद्य बताइये।
2. नाटक विधा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
3. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक इतिहास और कल्पना का समन्वय है। सिद्ध कीजिए।
4. मोहन राकेश की नाट्यकला पर प्रकाश डालिए।
5. 'हिन्दी साहित्य की प्रचलित विधाएँ' संक्षिप्त परिचय दीजिए।
6. निबन्ध का अर्थ बताते हुए, ललित निबन्ध की विशेषताएँ बताइये।
7. आत्मकथा एवं जीवनी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
8. 'करुणा' निबन्ध का सार अपने शब्दों में लिखिये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'अरे यायावर रहेगा याद' अज्ञेय का महाकाव्य है।

(सत्य / असत्य)

2. ‘हमारी जापान यात्रा’ के लेखक कन्हैयालाल मिश्र हैं।

(सत्य / असत्य)

3. आलोचना शब्द की व्युत्पत्ति ‘लुच’ धातु से हुई है।

(सत्य / असत्य)

4. ‘प्रेमचन्द घर में’ की रचनाकार शिवरानी देवी हैं।

(सत्य / असत्य)

5. ‘मेरी आत्मकथा’ हिन्दी की प्रथम व्यवस्थित आत्मकथा है।

(सत्य / असत्य)

6. “चूरन खावै एडिटर जात, जिसके पेट पचै नहिं बात।” यह संवाद किस नाटक के पात्र का है ?

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

7. ‘अशोक के फूल’ आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का .... है।

8. श्यामसुन्दर दास की आत्मकथा का नाम .... है।

9. नाट्यशास्त्र .... द्वारा रचित ग्रंथ है।

10. लक्ष्मीनारायण लाल ने .... समस्याओं पर आधारित नाटक लिखे हैं।